कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ में उर्वरकों का संतुलित प्रयोग विषय पर आनलाइन गोष्ठी : मृदा स्वास्थ्य पर हुई चर्चा|

दिनांक 18 जून 2021 को विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान (भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद) के उत्तरकाशी जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ में भारत का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत उर्वरकों का संतुलित प्रयोग विषय पर आनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें जिले भर के किसानों को मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरकों के संतुलित प्रयोग से जुड़ी जानकारी प्रदान की गयी | कार्यक्रम की शुरुआत केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ चित्रांगद सिंह राघव द्वारा किसानों को मृदा स्वास्थ्य एवं पोषक तत्वों के महत्व के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी देकर की गयी | उन्होंने कहा कि मृदा में मुख्य एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों के संतुलन को बनाये रखने से ही हमारे खेतों की उत्पादकता बढ़ सकती है |

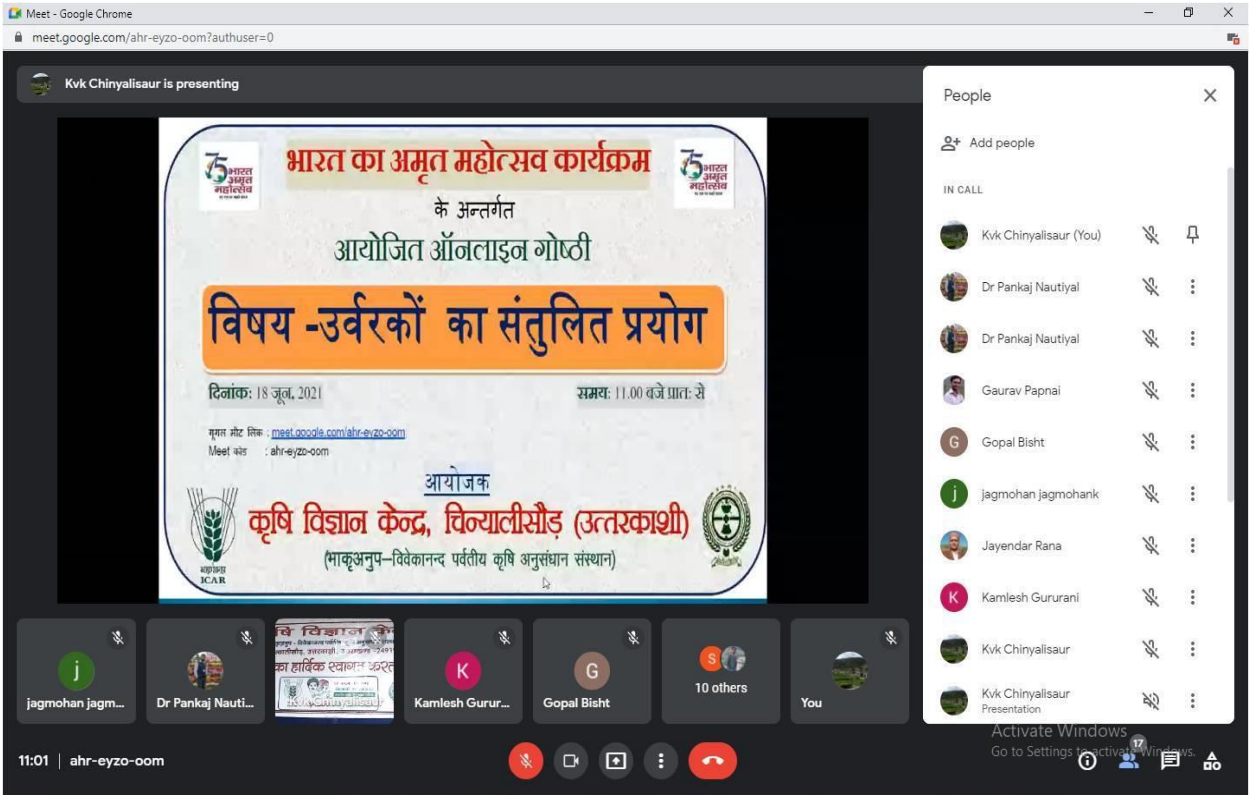

कार्यक्रम में केन्द्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ पंकज नौटियाल ने किसानों को ड्रिप फर्टिगेशन के उपयोग के बारे में एवं पौधों के लिए जल की उपलब्धता के विभिन्न तरीकों के बारे में बताया |

केंद्र के कृषि प्रसार विशेषज्ञ डॉ गौरव पपनै ने कार्यक्रम के सफल संचालन के साथ ही जैविक उर्वरक एवं इनकी महत्ता, वर्मी कम्पोस्ट, वर्मी बेड और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी |

केंद्र के ही श्री वरुण सुप्याल द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से किसानों को मृदा स्वास्थ्य से जुडी विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया । उन्होनें किसानों को मृदा नमूने लेने के तरीके, मृदा परीक्षण करवाने तथा मृदा का पौधों के लिए महत्व आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

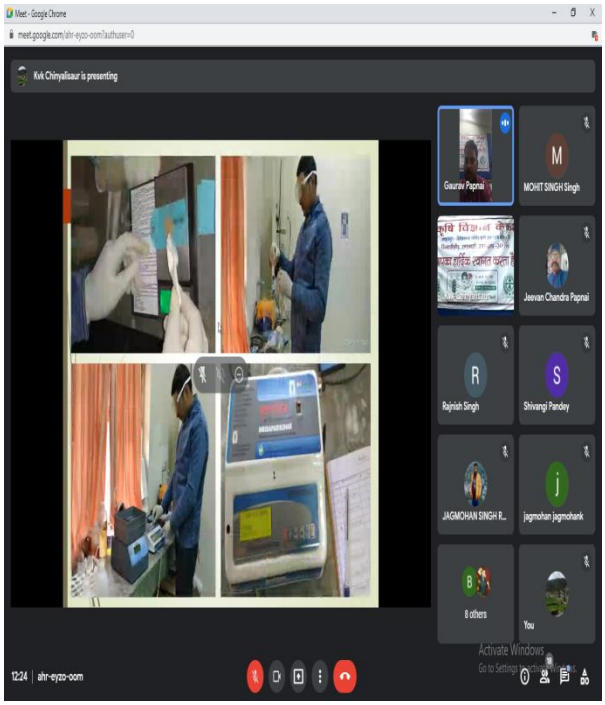

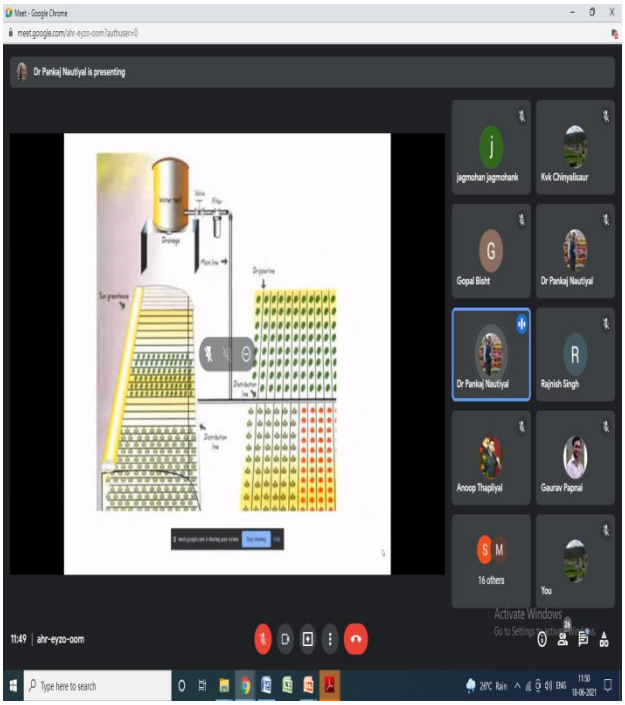

इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ रजनीश सिंह, डी डी एम नाबार्ड श्री गुरविंदर सिंह अहूजा, अध्यक्ष रेडक्रास सोसाइटी श्री अजय पुरी, प्रगतिशील कृषक श्री जगमोहन राणा, सचिन पंवार, मोहन सिंह राणा एवं केन्द्र से नीरज जोशी, रोहिणी खोब्रागडे, ख्याली राम, रीतिका भास्कर, एम एस सी कृषि के विद्यार्थी तथा क्षेत्र के प्रगतिशील किसान मौजूद रहे ।